24-07-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

As Certain as Death

"मीठे बच्चे - इस महाभारत लड़ाई में पुराना झाड़ समाप्त होना है इसलिए लड़ाई के पहले बाप से पूरा-पूरा वर्सा ले लो"

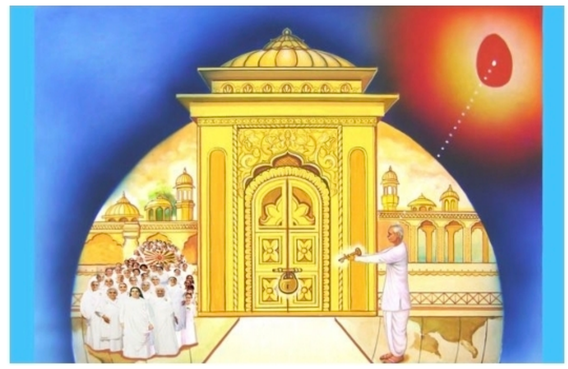

प्रश्नः-बाबा को माताओं का संगठन चाहिए लेकिन उस संगठन की विशेषता क्या हो?

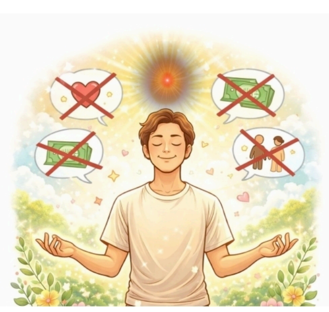

उत्तरः- ऐसा संगठन हो जो देही-अभिमानी रहने का पूरा-पूरा पुरुषार्थ करे, जिन्हें पक्का नशा हो कि "हमें पावन बन पावन दुनिया बनानी है। पतित नहीं बनना है।" नष्टोमोहा ग्रुप हो तब कोई कमाल करके दिखाये। किसी में भी (No one means No one...) रग नहीं होनी चाहिए। मोह की रग बहुत नुकसान कर देती है।

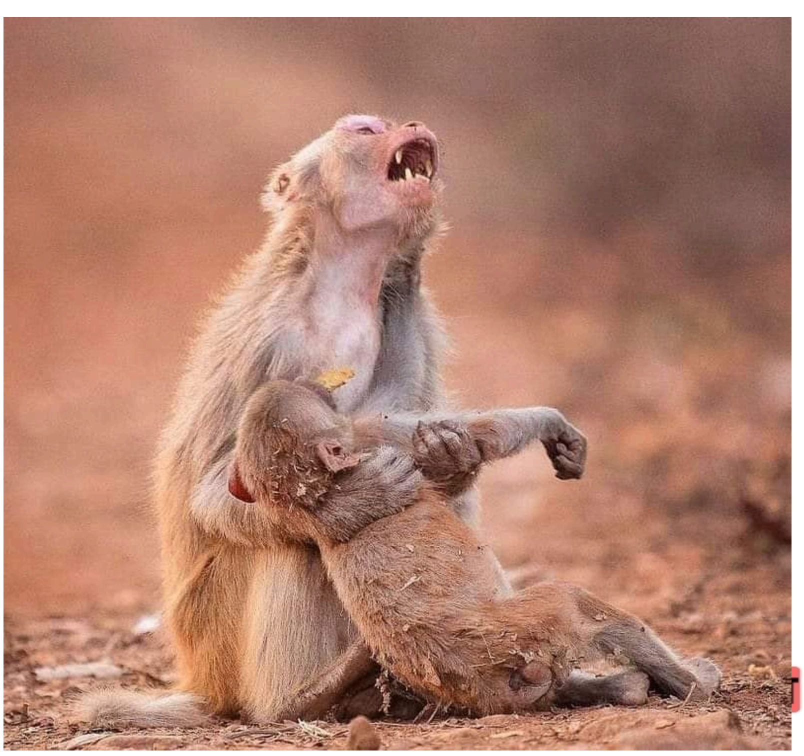

धारणा सेवा M.imp.

चढ़ाओ नशा... वो मेरा बाबा है...

24-07-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

ओम् शान्ति। मीठे-मीठे बच्चे यह जानते हैं कि मीठा बाबा हमको स्वर्गवासी बनाने यहाँ आये हैं। यह बच्चों की बुद्धि में है। हर एक को यह समझाना है कि हम आत्मा इस याद की यात्रा से पवित्र बनती हैं। कितना सहज उपाय है, सिर्फ बाप को याद करना है। बच्चे जानते हैं कि बाप एक सेकेण्ड में मुक्ति-जीवनमुक्ति का वर्सा देते हैं। अब सब जीवनबन्ध में हैं, रावणराज्य के बन्धन में हैं। यह बात बाप जानते और बच्चे जानते और न जाने कोई। तुम बच्चों को निश्चय है कि बेहद के बाप को हम याद करते हैं तो अन्दर में बहुत खुशी होनी चाहिए, आत्मा को। जिस बाप को आधाकल्प याद किया करते थे - वह बाप मिला। दु:ख में बाप को सिमरण करते रहते हैं। तुम भी सिमरण करते थे, अभी तुम दु:खी होकर सिमरण नहीं करते हो। जिसको सारी दुनिया सिमरण करती है - वह बाप आया है, यह तुम जानते हो। बाबा ने बार-बार समझाया है - यहाँ जब तुम बैठते हो तो ऐसा समझो कि हम आत्मा हैं। बाबा परमधाम से आया हुआ है। कल्प-कल्प अपने वायदे अनुसार आता

सोचो तुमको कौन मिला है,
कौन तुम्हारा साथी है।

जिसको पाने के लिए लोग
अपना गला भी उतार कर
रखने को तैयार है..

चढ़ाओ नशा...

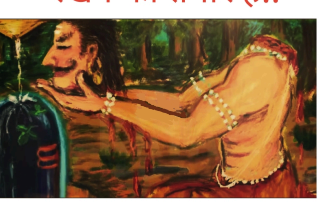

अगर यह पढ़ कर अपने रोंगटे ना खड़े हो
तो अपनी चेकिंग बहुत गहराई से करनी चाहिए
कहीं तो कुछ नहीं किन्तु बहुत सारी खामियां/कमियां है..
जिसको जल्द से जल्द भरना होगा नहीं तो अंत में खून के आंसू रोना पड़ेगा।
क्योंकि "हाथ को आया और मुंह ना लगा।"- ये वाली अत्यंत पीड़ादायक स्थिति होगी।

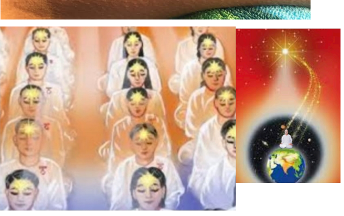

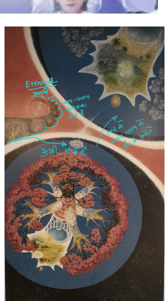

Refer last Page For a Sweet Song to submerge in the love of [date]

है। बाबा की यह प्रतिज्ञा है कि तुम जब पुकारेंगे और आधाकल्प जब पूरा होता है तो मुझे आना पड़ता है। कलियुग के बाद सतयुग होना है तो मुझे आना पड़ता है। यह सिर्फ तुम बच्चों को मालूम है कि यह संगमयुग है, बाबा आया हुआ है। तुम बच्चे भी सर्विस करते हो, दिन-प्रतिदिन परिचय देते जाते हो, बाप की पहचान सबको मिलती जाती है।

चढ़ाओ नशा... How lucky and Great we are...!

यहाँ बैठे हो, जानते हो बेहद का बाबा शिवबाबा हमको फिर से बेहद का वर्सा देने आये हैं। तुम बाबा-बाबा कहते हो ना। हम शिवबाबा के पास आये हैं। शिवबाबा भी कहते हैं कि मैं साधारण तन में आया हूँ, कल्प पहले मुआफिक। यह भूलना नहीं चाहिए। माया ऐसे बाबा की याद भुला देती है, जिससे पतित से पावन बनना होता है। तुम जानते हो कि सर्व का सद्गति दाता एक ही सतगुरू है। सिक्ख लोग भी गाते हैं सत श्री अकाल, पतित-पावन को ही सतगुरू कहा जाता है। पुकारते भी हैं कि हे पतित-पावन। आत्मा पुकारती है। अभी तुम जानते हो हम यहाँ आये हैं सम्मुख बाप से मिलने। बड़े-बड़े आदमी एक दो के पास मिलने जाते हैं,

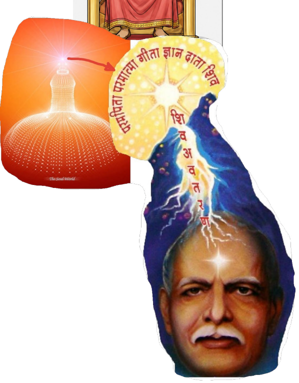

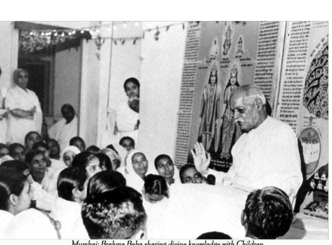
Mumbai: Brahma Baba sharing divine knowledge with Children.

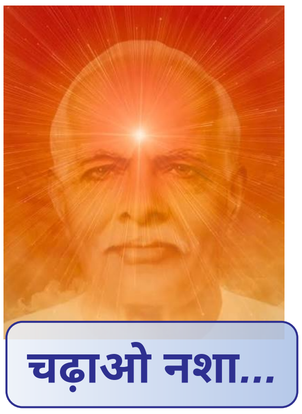

उन्हों की कितनी महिमा होती है। धूमधाम से आजियान के लिए तो बैन्डबाजे आदि बजाते हैं खुशी के। यह गुप्त वेष में कौन आया हुआ है, यह तुम ही जानते हो। उनको कहा जाता है - दूरदेश का रहने वाला मुसाफिर।

shivbaba says: मुसाफिर हूँ मैं दूर का,
दीवाना हूँ मैं
धूप (पवित्रता) का
मुझे (1) ना भाये, (2) ना भाये, (3) ना भाये } strictly
छाँव (अपवित्रता) रे

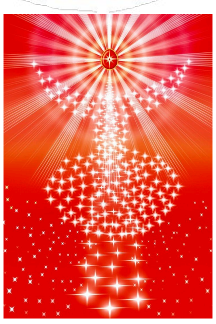

तुम जानते हो हम आत्मायें परमधाम की रहने वाली हैं। यहाँ मुसाफिर बन आये हैं पार्ट बजाने। एक-एक अक्षर जो बाप समझाते हैं, दुनिया में कोई नहीं जानते। तुम बाप (स्वयं भगवान) से सुन रहे हो। वह अच्छी रीति धारणा करना चाहिए। बाप समझाते हैं तुम सब मुसाफिर हो, इस कर्मक्षेत्र में। हम शान्तिधाम के रहने वाले हैं फिर यहाँ टाकी वर्ल्ड में आते हैं। हम शान्तिधाम के मुसाफिर हैं, 84 जन्मों का पार्ट यहाँ बजाते हैं। आखिर यह अन्त का समय है। तो बाप आये हुए हैं - पुरानी सृष्टि को नया बनाने। यह भी तुम जानते हो। चित्र भी क्लीयर है, शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा नई दुनिया की

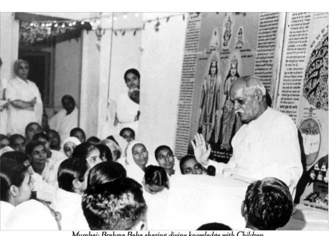
Mumbai: Brahma Baba sharing divine knowledge with Children.

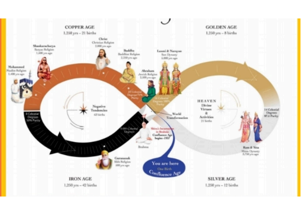

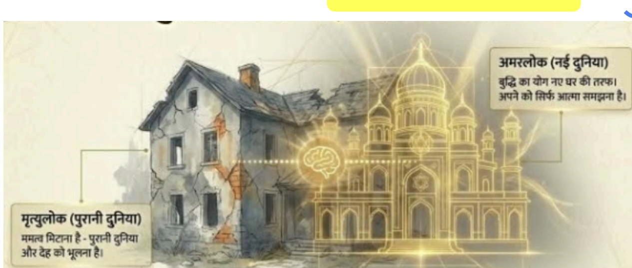

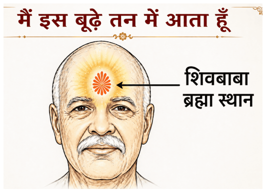

स्थापना करते हैं। ऐसे तो नहीं श्रीकृष्ण द्वारा, विष्णु द्वारा स्थापना करते हैं। बाप आते ही हैं ब्रह्मा द्वारा स्वर्ग रचने। बाप आये हैं साधारण तन में। यह है ही पतित दुनिया, एक भी पावन नहीं। (Mind very well...) जबकि पहले नम्बर वाले लक्ष्मी-नारायण भी पतित बनते हैं। जो पावन थे वही पतित बने हैं, सारी डिनॉयस्टी सहित। तुम जानते हो हम जो डीटी धर्म वाले थे वह अब शूद्र धर्म वाले बन गये हैं। भल अमेरिका आदि में बड़े-बड़े साहूकार रहते हैं। परन्तु सतयुग के सामने अमेरिका कुछ भी नहीं। (समझा?) यह सब पिछाड़ी में बने हैं। यह अल्पकाल का भभका है। विनाश तो होना ही है। (As Certain as Death) तुम बच्चों को बड़ा अच्छा नशा रहना चाहिए। बाप जो हमको स्वर्ग का मालिक बनाते हैं, उनको हम बच्चे याद न करें, (For Self Analysis) कितना वन्डर है। माया याद करने नहीं देती। तुम बच्चे अभी ऐसे कहते हो - बाबा माया हमको याद करने नहीं देती है। अरे बाबा, जो तुमको 21 जन्मों के लिए स्वर्ग का मालिक बनाते हैं, उनको तुम याद नहीं कर सकते हो? प्रजा भी तो स्वर्ग का मालिक बनती है ना। सब सुखी रहते हैं। अभी तो सब

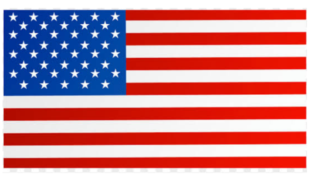

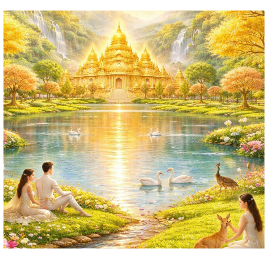

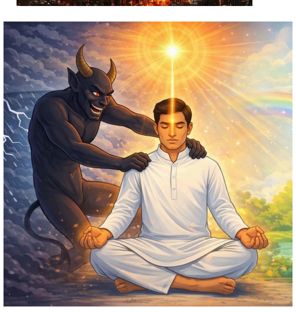

पुछो अपने आप से...
very strictly

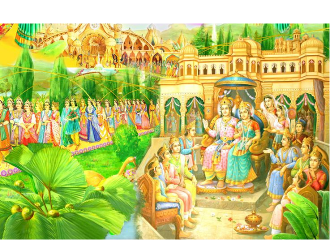

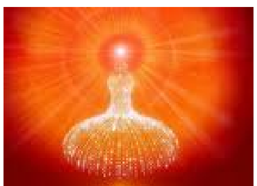
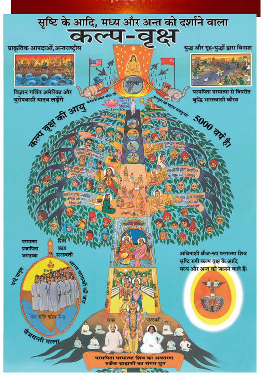

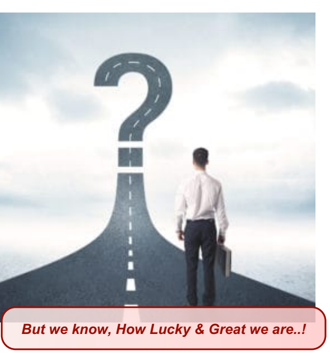

दु:खी हैं। प्राइम मिनिस्टर, प्रेजीडेंट आदि को तो रात दिन चिंता लगी रहती है। लड़ाई आदि में कितने मरते रहते हैं। तुम जानते हो महाभारत लड़ाई भी मशहूर है, परन्तु उसमें क्या हुआ था, यह किसकी बुद्धि में नहीं है। तुमको बाप ने बुद्धि में बिठाया है। महाभारत की लड़ाई में सब मर गये! कितनी बड़ी मनुष्य सृष्टि है। आत्माओं का भी झाड है। झाड पहले नया होता है तो बहुत छोटा होता है फिर वृद्धि को पाता जाता है। तुम जानते हो पहले जब डीटी धर्म था तो कितना छोटा झाड था। आदि सनातन देवता धर्म था। अब कितने वैराइटी धर्म हैं। इस महाभारत लड़ाई द्वारा इन सबका विनाश होना है। परन्तु यह ज्ञान कोई में है नहीं। भल कहेंगे यह वही लड़ाई है परन्तु इससे क्या होने का है, यह पता नहीं। तुम अभी रोशनी में हो। जानते हो विनाश होना है इसलिए महाभारत लड़ाई के पहले अपना वर्सा तो ले लेवें। बात तो बड़ी सहज है। पवित्र बनो और बाप को याद करो। बहुत बच्चियों के ऊपर अत्याचार होते हैं। तुम माताओं का संगठन होना चाहिए एक दो को

Thank you so much मेरे मीठे बाबा...

oints धारणा सेवा M.imp.

देही अभिमानी

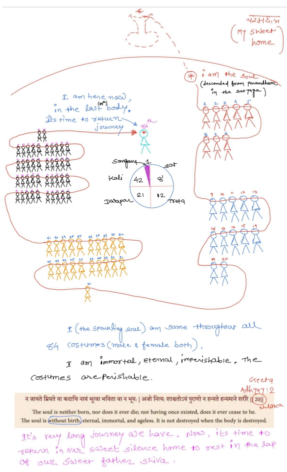

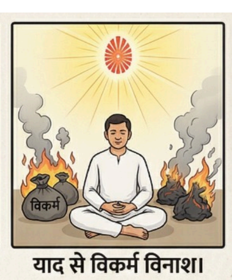

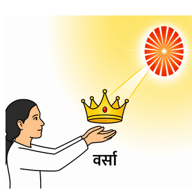

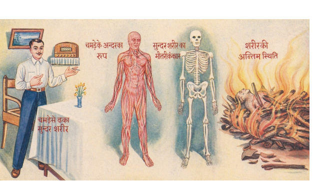

बचाने के लिए। परन्तु देही-अभिमानी जरूर बनना पड़े। हमको पावन तो जरूर बनना है - यह पक्का नशा चाहिए। ऐसे नशे में रहने वाले ही समझा सकेंगे। हमें बाप को याद करना है, पवित्र बनना है। हम स्वदर्शन चक्रधारी हैं - यह नशा तो रहना चाहिए। “हम रचयिता बाप और रचना के चक्र को जानते हैं। अभी हमको बाप से नई दुनिया सतयुग का वर्सा लेना है।” हम 84 जन्म कैसे लेते हैं, यह समझाते रहो। बाप कहते हैं मुझे याद करो तो तुम्हारे पाप नष्ट हो जायेंगे। पावन तो जरूर बनना है। पावन अर्थात् पवित्र। काम महाशत्रु है। हमने 84 जन्म का चक्र पूरा किया, अब बाप से वर्सा लेना है। बाप कहते हैं मुझे याद करो तो तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे। (मधुबन) यहाँ तो आते ही हो रिफ्रेश होने। मुझ बाप को याद करो - 21 जन्मों का वर्सा लेना है। कोई में भी मोह की रग नहीं रहनी चाहिए। नष्टोमोहा बनना है। इस शरीर में भी मोह न रहे। यह तो पुरानी चमड़ी है। परन्तु (Mind very well...) इसकी सम्भाल रखनी होती है, जो पढ़ाई पढ़ सकें। तकलीफ होती है तो चत्ती लगानी पड़ती है। तुम

जानते हो यह पुराना सड़ा हुआ शरीर है, इनको कुछ न कुछ होता रहता है। दु:ख आत्मा को होता है। जानते हो अब तो यह शरीर छोड़ना है। योगबल से इनको थमाना है। बाप को याद करते रहना है। अपने को आत्मा समझकर बाप को याद करना है, बस। और कोई लौकिक सम्बन्ध भी याद नहीं आने चाहिए। मैं देह नहीं आत्मा हूँ। बाप कहते हैं मैं तुम आत्माओं को वर्सा देने आया हूँ। आत्मा पवित्र होगी तब फिर शरीर भी अच्छा मिलेगा।

That's All

Here is the example →

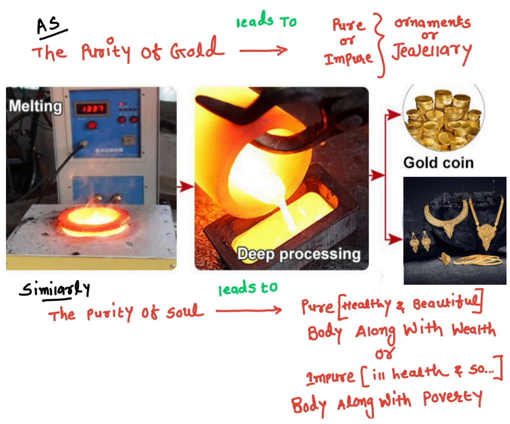

तुम जानते हो अभी हमारी आत्मा पावन बननी है। हम पावन थे तो इन लक्ष्मी-नारायण जैसे थे। इन लक्ष्मी-नारायण ने 84 जन्म लिए हैं। सारी सूर्यवंशी डिनायस्टी ने 84 जन्म लिए हैं। चन्द्रवंशी के लिए 84 जन्म नहीं कहेंगे। हाँ जो सूर्यवंशी में पहले-पहले दास दासी बनते होंगे वह फिर त्रेता में कुछ मर्तबा पाते हैं, उनके 84 जन्म कहेंगे। राजा रानी,

Point to be Noted

Note it down

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

24-07-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

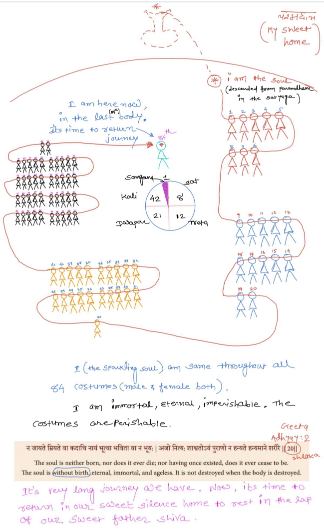

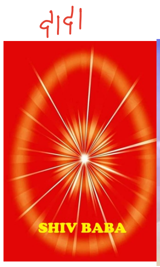

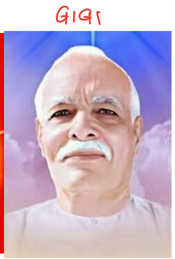

प्रजा जो भी दास दासियां आदि सूर्यवंशी में आते हैं वही 84 जन्म लेते हैं। ऐसे-ऐसे अपने से बातें करनी है। "हम 84 जन्म कैसे लेते हैं।" विचार सागर मंथन करना चाहिए। जितना हो सके बाप को और वर्से को याद करते रहो। चलते फिरते समझो कि हम बाबा के बच्चे हैं। कोई भी मिले तो उनको बाबा का परिचय देना है। इन चित्रों में सारी नॉलेज है। सब बताना है। बाबा आया हुआ है ब्रह्मा तन में। हम सब ब्रह्माकुमार कुमारियां हैं ना। हम बी.के. को स्वर्ग का मालिक बनाने बाबा आया हुआ है। सब आत्माओं का बाप एक है। हम ब्रह्माकुमार कुमारियाँ हैं। अपने-अपने कार्ड भी दिखा सकते हो। कहाँ आफिस आदि में भी कार्ड दो, परन्तु समझ नहीं सकेंगे कि बी.के. कौन हैं! अनेक प्रकार के विघ्न आते हैं। गवर्मेन्ट को भी समझाया जाता है - हमारी यह फैमिली है। दादा और बाबा है। दादा द्वारा हम वर्सा ले रहे हैं। यह याद रखने से खुशी रहनी चाहिए, मिलकियत तो दादे की है। पौत्रों को हक है, पूरा हिस्सा बांटकर लेते हैं।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

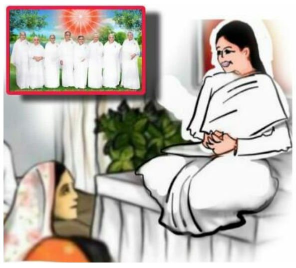
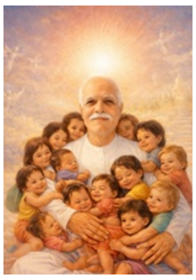

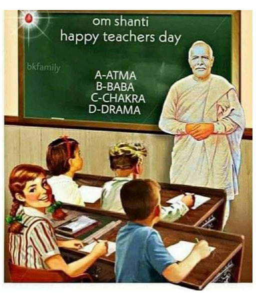

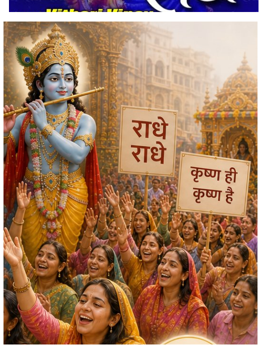

तुम भी जानते हो - शिवबाबा से ब्रह्मा द्वारा हम वर्सा लेते हैं। यह याद रखना चाहिए। पढ़ना है और फिर पढ़ाना है।

How humble my baba is...!

यह बाप का फ़र्ज है, बच्चों की पालना करना। जब तक कुमार-कुमारी बालिग न बनें, बाप को उनकी सम्भाल करनी है। बच्चों का काम है पढ़ना। पढ़ते हैं अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए। तुम जानते हो - बाबा हमको पढ़ा रहे हैं 21 जन्म के लिए। फिर हम अपने पैरों पर खड़े रहेंगे।

Simple Math..

जितना पढ़ेंगे उतना ऊंच पद पायेंगे। तुम खुद कहते हो हम यहाँ आते हैं श्री लक्ष्मी वा श्री नारायण बनने। यह सत्य नारायण की कथा है ना। कोई को पता नहीं है कि यह लक्ष्मी-नारायण 84 जन्म कैसे लेते हैं। राधे के भगत होंगे तो कहेंगे राधे हाज़िरा-हज़ूर है, जिधर देखो राधे ही राधे है, श्रीकृष्ण ही श्रीकृष्ण है, शिव ही शिव है। यह गुड़-गुड़धानी कर दी है। ईश्वर, राधे, श्रीकृष्ण सब सर्वव्यापी हैं। यह सब ईश्वर के रूप हैं। भगवान ने यह रूप धारण किये हैं। जिधर देखो उधर तू ही तू है... बिल्कुल ही बेसमझ बन पड़े हैं। यह है विकारी पतित दुनिया। सतयुग है निर्विकारी पावन

24-07-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

दुनिया। वाइसलेस वर्ल्ड का अर्थ ही है स्वर्ग। कहते हैं वहाँ बच्चे तो हैं ना। वह कैसे पैदा होंगे। बस, सवाल ही यह पूछेंगे। कहेंगे बच्चे नहीं पैदा होंगे तो सृष्टि कैसे बढ़ेगी! हर साल आदमशुमारी का हिसाब निकालते हैं कि कितने जास्ती मनुष्य हुए। यह नहीं बताते कि इतने मरे।

8 अरब की आबादी तक का सफर

आबादी	साल	कितने वर्ष लगे
1 अरब	1804	पहली बार दुनिया में 1 अरब लोग हुए
1 से 2 अरब	1804 से 1927	123 साल लगे
2 से 3 अरब	1927 से 1960	33 साल
3 से 4 अरब	1960 से 1974	14 साल
4 से 5 अरब	1974 से 1987	13 साल
5 से 6 अरब	1987 से 1999	12 साल
6 से 7 अरब	1999 से 2011	12 साल
7 से 7.9 अरब	2011 से 2022	11 साल

15 नवंबर 2022 को होंगे आठ अरब लोग

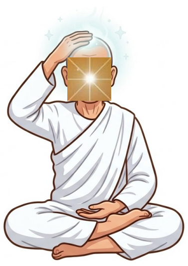

तो बच्चों को पहले तो अपना कल्याण करना है। मैं आत्मा हूँ - पहले तो यह निश्चय करो। बाबा को याद करना है।

अन्तकाल जो नारायण सिमरे... अब नारायण सिमरे यह अक्षर झूठे लिखे हैं। अन्तकाल जो शिव-बाबा सिमरे... उसी चिंता में जो मरे सो स्वर्ग का नारायण बनें। अन्तकाल नारायण क्यों कहते हैं?

Here is the Fault

समझते हैं श्रीकृष्ण ने ज्ञान दिया था तो भला श्रीकृष्ण को सिमरे ना। श्रीकृष्ण को याद करते हैं। नारायण का किसको पता नहीं है। श्रीकृष्ण की जयन्ती मनाते हैं, भला राधे की जयन्ती कहाँ? श्रीकृष्ण का जन्म मनाते हैं, नारायण का कहाँ है?

वर्ल्ड के किंग क्वीन लक्ष्मी-नारायण का किसको पता ही नहीं। प्रजापिता ब्रह्मा के मुख वंशावली होंगे ना! कहाँ गये! कहते हैं ब्राह्मण देवी-देवता

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

24-07-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

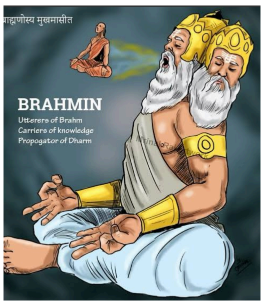

नम:। ब्रह्मा के मुख वंशावली थे ना। बच्चे समझते हैं ब्रह्मा द्वारा शिवबाबा ब्राह्मण धर्म स्थापन करते हैं। ब्राह्मण धर्म ब्रह्मा ने नहीं रचा परन्तु शिवबाबा ने रचा है। यह तो अभी ब्रह्मा बना है। अच्छा!

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमार्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

धारणा के लिए मुख्य सार:-

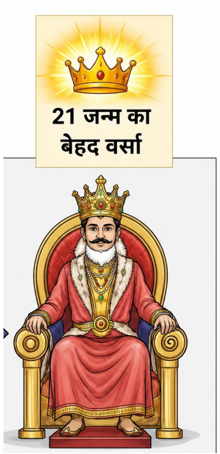

1) इस पुराने शरीर में रहते पढ़ाई पढ़कर 21 जन्मों के लिए कमाई करनी है इसलिए इसकी सम्भाल करनी है। बाकी इसमें रग नहीं रखनी है।

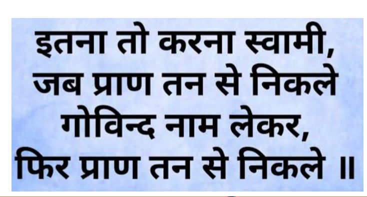

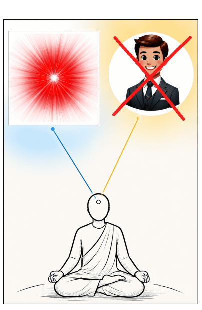

2) ऐसा अभ्यास करना है जो अन्तकाल में एक शिवबाबा ही याद रहे। दूसरे किसी भी चिंतन में नहीं जाना है, अपना कल्याण करना है।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M

Method/Process/Instrument   Outcome/Output/Result

24-07-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

वरदान: मास्टर नॉलेजफुल बन अनजानपने को समाप्त करने वाले ज्ञान स्वरूप, योगयुक्त भव

Finale Achievement

मास्टर नॉलेजफुल बनने वालों में किसी भी प्रकार का अनजानपन नहीं रहता, वह ऐसा कहकर अपने को छुड़ा नहीं सकते कि इस बात का हमें पता ही नहीं था।

ज्ञान स्वरूप बच्चों में कोई भी बात का अज्ञान नहीं रह सकता और

जो योगयुक्त हैं उन्हें अनुभव होता जैसेकि पहले से सब कुछ जानते हैं। वो यह जानते हैं कि माया की छम-छम, रिमझिम कम नहीं है, माया भी बड़ी रौनकदार है, इसलिए उससे बचकर रहना है,

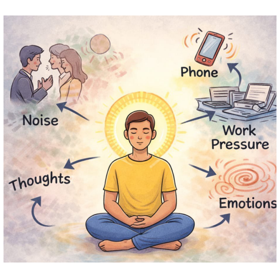

जो सभी रूपों से माया की नॉलेज को समझ गये, उनके लिए हार खाना असम्भव है।

स्लोगन:- जो सदा प्रसन्नचित हैं वह कभी प्रश्नचित नहीं हो सकता।

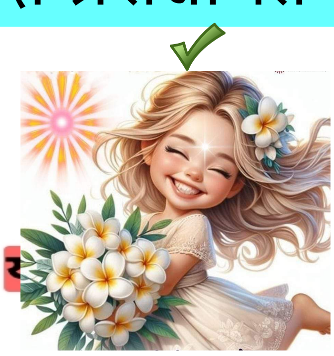

Points: ज्ञान

24-07-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

ये अव्यक्त इशारे -

ज्वालास्वरूप स्थिति में रह शक्तिशाली याद का अनुभव करो

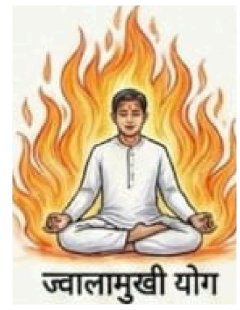

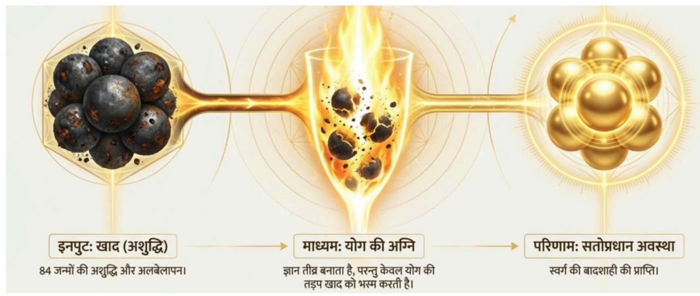

योग में सदा लाइट हाउस और माइट हाउस की स्थिति का अनुभव करो।

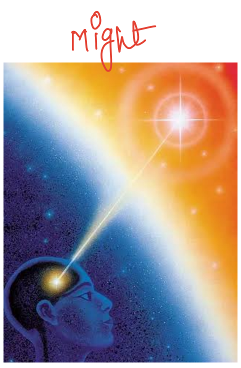

ज्ञान है लाइट और योग है माइट।

ज्ञान और योग - दोनों शक्तियां लाइट और माइट सम्पन्न हों, इसको कहते हैं मास्टर सर्वशक्तिमान।

ऐसी शक्तिशाली आत्मायें किसी भी परिस्थिति को सेकण्ड में पार कर लेती हैं। टाइम नहीं लगता।

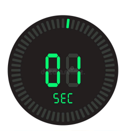

If you wish to stay connected, Here is the link

WhatsApp

TELEGRAM

WORLD WIDE WEB

BKdrluhar

Mind maps are Available on WhatsApp and Telegram Only

अव्यक्त बापदादा:

वरदान का फल निकालने के लिए बार-बार वरदान को स्मृति में लाओ। स्मृति स्वरूप के स्थिति में स्थित रहो।

AV: 30/11/2009
Revise: 12/4/26

All वरदान slogans जून 26 → Click

All अव्यक्त इशारे जून 26 → Click

All वरदान, slogans and अव्यक्त इशारे At Single place → Click

अव्यक्त बापदादा:

आजकल के जमाने के हिसाब से तो बातें बहुत बदलती जाती हैं। गवर्मेन्ट के कायदे भी बदलने हैं, मनुष्यों की वृत्ति भी बदलनी है। तो हर एक के जीवन में व्यर्थ बातें तो आनी ही हैं, तो व्यर्थ को समाप्त करने के लिए समर्थ संकल्प चाहिए। वेस्ट को खत्म करने के लिए बेस्ट संकल्प चाहिए। तो रोज़ की मुरली में जो वरदान, स्लोगन आता है उसे सुनो। यह वरदान ही श्रेष्ठ संकल्प है। जब व्यर्थ आवे तो श्रेष्ठ संकल्प मन को चाहिए। मन खाली नहीं रह सकता है। मन को कुछ न कुछ संकल्प चाहिए। तो व्यर्थ वेस्ट को बेस्ट करने के लिए आपको यह वरदान और स्लोगन आदि के शब्द मन को चेंज करने के लिए चाहिए।

Remedy

Subtle Psychology

AV: 15/03/2010
Revise: 31/05/2026

अभी बापदादा ने देखा कि बच्चों को माया भी अब तक छोड़ती नहीं है उनका भी प्यार है। और आजकल दो रूपों में विशेष माया भी चांस लेती है। दो रूप में आती है - एक व्यर्थ संकल्प और दूसरा कहीं-कहीं कभी कभी यह भी लहर है जो मैंने किया वा सोचा मैं ही राइट हूँ मैं कम नहीं हूँ। यह लहर फैली हुई है - मैं ही राइट हूँ लेकिन जो कनेक्शन में आते हैं या निमित्त बने हुए हैं वह भी आपके विचार को साथ देते हैं! दूसरों की भी वेरीफिकेशन मिलनी चाहिए।

Attention Please..!

यह व्यर्थ संकल्प टाइम वेस्ट करते हैं। इसलिए बापदादा रोज की मुरली मनन करने के लिए सेवा करने के लिए होमवर्क में रोज देते हैं। अगर मनन करो या मनन करते-करते मगन हो जाओ तो यह रोज का होमवर्क मन को बिजी करने का साधन है।

Example

सुनना और मनन करना या मगन हो जाना यह बापदादा रोज का होमवर्क इसीलिए देता है। जैसे बच्चों को होमवर्क इतना ज्यादा दे देते हैं जो उनकी बुद्धि करने में बिजी रहे। ऐसे रोज की मुरली उसमें चार ही सबजेक्ट का होमवर्क है। मन्सा का भी है वाणी का भी है कर्म का भी अटेन्शन और दिव्यता का इशारा होमवर्क है। तो होमवर्क में बिजी रहेंगे तो व्यर्थ संकल्प के आने की मार्जिन नहीं रहेगी।

समझा?

इस विधि को अपनाते रहेंगे तो व्यर्थ संकल्प स्वत: ही आपसे विदाई ले जायेंगे

क्योंकि बापदादा ने देखा याद की यात्रा पर सभी का नम्बरवार अटेन्शन है वाचा सेवा में भी अटेन्शन है। लेकिन अभी अपने संस्कार या दूसरों के संस्कार को परिवर्तन करना यह स्वभाव संस्कार जिसको रॉयल रूप में आप कहते हो नेचर मेरी नेचर है भाव नहीं है नेचर है यह धारणा की सबजेक्ट अभी भी रॉयल रूप में आती रहती है। तो बापदादा आजकल यही इशारा देते हैं कि जो भी धारणाओं में कमी होती है उसको अभी विशेष अटेन्शन दो।

AV: 24/10/2010

Revise: 14/06/2026

11.4 अमृतवेले प्राप्त सौगात दूसरों को भी बाँटते चलो :

रोज़ाना देखो कि बाबा ने आज कौन-कौन से ख़ज़ाने दिये हैं। फिर इन ख़ज़ानों को बाँटना चाहिए। चाहे एक ही ख़ज़ाना क्यों न हो। इस के लिए कोई स्टेज या प्रोग्राम की आवश्यकता नहीं होती। अमृतवेले जो सौगात आपको मिलती है, वह सारा दिन दूसरों को बाँटनी चाहिए। भाग्य बनाने के साथ-साथ दूसरों को भी निमित्त बनाओ। भाग्यविधाता बनने से व दूसरों को ख़ज़ाने देने से वर्तमान ही नहीं, परन्तु सारे कल्प के लिए अपना ऊँचा भाग्य बनाने की गारन्टी लेंगे। यही वह समय है जब आप दूसरों को बाँटकर आज के लिए नहीं परन्तु सदा के लिए भाग्य की गारन्टी लेते हो।

समझा? Mind very well... अभी नहीं तो कभी नहीं

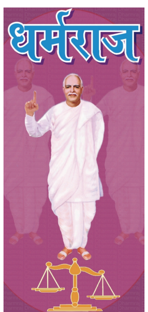

m.m.m....imp.

बापदादा मुबारक देते हैं, एक दो को अटेन्शन दिलाते रहना। क्या करना? रोज़ रात को सोने के पहले बापदादा को गुडनाइट करने के पहले अपने सारे दिन का पोतामेल देना। अच्छा किया या बुरा किया? जो भी किया वह पोतामेल देके और बुद्धि को खाली करके गुड़नाइट करना। बाप से भी और बाप की याद में ही आप सो जाना। आपकी नींद बहुत अच्छी होगी। पहले खाली करना अपने को, बुद्धि में कोई बात नहीं रखना, बाप के रूप में सारा पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो आपको धर्मराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सच्ची दिल पर साहेब राज़ी हो जायेगा।

(31.03.2010)

आप सबसे एक विनम्र अनुरोध है कि जब आप इस गीत(next page पर) को पढ़े तो कृपया ग्रामर और शब्दों के माया जाल से बच के रहिए (हमारा ग्रामर अच्छा नहीं है) सिर्फ वहां जो बाबा के प्रति भाव रखा गया है उसको ही लक्ष्य में रखें तो आप बाबा के प्यार का सच्चा अनुभव कर पाएंगे। नहीं तो, सागर के ऊपरी लहरों में मूंज कर बाहर निकल जाएंगे। सागर की गहराई में छिपे हुए रत्नों से आप वंचित रह जाएंगे एवं शब्द एवं ग्रामर की माया जाल में ही फस के रह जाएंगे।

यहां जो भाव रखे हैं उस भाव में आप अपने भी सच्चे दिल के भाव को Add करके संपूर्ण पवित्र और सच्चे प्यार में डूब जाइए।

शिवबाबा से मीठी मीठी दृढ़ संकल्प से भरी हुई रूह रूहान....

Here is the Wonderful song → **Click**

From the Movie: bajarangi bhaijaan

Haal-e-Dil ko sukoon chahiye
Poori ik aarzoo chahiye

(सतयुग से तुम्हारी जुदाई के कारन जो मेरे दिल की हालत है, उसे अब सुकून चाहिए - जो की तुम्हे पाकर या तुझमे समा कर ही मिल सकता है।
और कुछ वैसे ही द्वापर से लेकर के सिर्फ और सिर्फ तुम्हे पाने की आरजू थी वो पूरी होनी चाहिए - फिर चाहे कोई भी किंमत क्यों न चुक्तू करनी पड़े।)

Jaise pehle kabhi kuch bhi chaaha nahi
Waise hi kyun chahiye

(और अब जो तुम सामने हो, तो द्वापर से लेकर अब तक जो पहले कभी भी चाहा नहीं है। वैसा ही अर्थात तूम और सिर्फ तूम ही क्यों चाहिए...? एक संकल्प मात्र भी दूजा कुछ नहीं।)

Dil ko teri mojoodgi ka ehsaas yun chahiye

(इस पागल दिल को हर पल, हर क्षण तुम्हारी मेरे से combined मौजूदगी का एहसास यूँ चाहिए की जिससे हम दो, दो न रहकर एक हो कर रहे।)

Tu chahiye, tu chahiye
Shaam-o-subah tu chahiye
Tu chahiye.. Tu chahiye..
Har martabaa Tu chahiye

(तो बस अब मुझे शाम और सुबह, इन short हर एक पल, हर मर्तबा/हर दम तुम और सिर्फ तुम ही मुझे चाहिए।)

Jitni dafaa.. zidd ho meri
Utni dafaa.. haan, Tu chahiye

(हर एक कल्पमें, कलयुग के अंत में जब तुम्हे पाने की मेरी जिद हो तब तुम्हे अपना परमधाम छोड़कर मेरे लिए इस साकार श्रुष्टी में आना पड़े। - और यही तो रहष्य है तुम्हारे इस साकार श्रुष्टी में आने का, जिसे तुम drama के अनुसार तुम्हारा आना कहते हो।)

} आज की मुरली में 23/07/2026

###$$$$%%%

Wo o...
Wo oo...

Koi aur dooja kyun mujhe
Na tere siva chahiye

(तो अब तुम्हारे सिवा क्यों मुझे अब कोई भी माना कोई भी दूजा संकल्प मात्र में भी नहीं चाहिए..?)

No one means No one...

Har safar mein mujhe
Tu hi rehnuma chahiye

(अब हर एक सफ़र में, चाहे कितनी ही कठिनाइयों वाला रास्ता क्यों न हो। बस तुम ही मेरे रहनुमा/guide बनकर मेरे साथ रहो - इतना ही चाहिए।
इस दुनिया में किसी की भी मुझे जरुरत नहीं है और मेरे संकल्प में भी तुम्हारे सिवा और कोई नहीं चाहिए।)

Jeene ko bas mujhe
Tu hi meherbaan chahiye

(मेरे जीने के लिए सिर्फ एक तू ही सदा एवं सच्चा मेहरबान चाहिए।
बस, इतने में ही हो चुकी मेरी सूक्ष्म, स्थूल - सभी की सभी ख्वाहिशें पूरी।
नहीं चाहिए सतयुग का सर्वोच्च विश्व महाराजन का पद भी।)

Ho..
Seene mein agar tu dard hai
Na koi dawaa chahiye

(अगर मेरे सीने में दर्द उठता है और वो तुम्हारे कारण है तो उसे ठीक करने के लिए कभी भी कोई भी दवाई मुझे नहीं चाहिए।
जिससे की उस दर्द को अर्थात तुमको कभी भी अपने से जुदा न होने दूँ।)

Tu lahu ki tarah
Ragon mein rawaan chahiye

(जैसे जिस्म में अगर खून न हो तो जिस्म रहेंगा ही नहीं।
ठीक उसी तरह मैं जिस्म हूँ और तुम लहुँ हो, जो हरदम मुज में समाए हुए रहने चाहियें।)

Anjaam jo chaahe mera ho
Aagaaz yun chahiye

खौफनाक

(अंजाम चाहे कितना ही भयानक और दर्दनाक क्यों न हो, किन्तु आगाज़/शुरुआत तो ऐसा ही चाहिए, जिसमे सदैव मैं तूझमें और तुम मुझमें समाये हुए combined हो।)

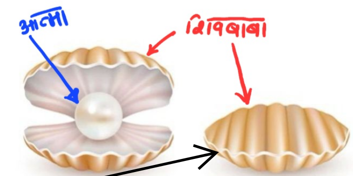

Tu chahiye, tu chahiye
Shaam-o-subah tu chahiye
Tu chahiye.. tu chahiye..
Har martabaa tu chahiye

Jitni dafaa.. zidd ho meri
Utni dafaa.. haan, tu chahiye

Wo o...
Wo oo...

Mere zakhmon ko teri chhuan chahiye

(यूं तो सतयुग से ही किंतु खास द्वापर से लेकर के इस संगम तक तुम साथ न होने के कारन जो जख्म लगे है मुझपे, उन सभी जख्मों को सिर्फ और सिर्फ तुम्हारी छुअन(combined रूप से) चाहिए और वो भी सदा काल के लिए।)

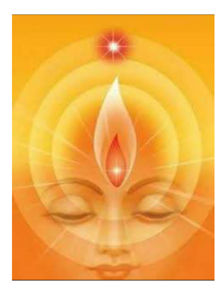

Meri shamma ko teri agan chahiye

(द्वापर से बुजी हुई मुज समां को सिर्फ और सिर्फ तुम्हारी ही अगन चाहिए और again सदा के लिए।)

Mere khwaab ke aashiyane mein tu chahiye

(मैंने जो अपने ख्वाबो का आशियाना/घर बनाया है उसमे सिर्फ और सिर्फ तुम और मैं रहूं तीसरा न कोई।
तो बस इतना ही चाहिए, इससे आगे एक संकल्प भी नहीं।)

Main kholun jo aankhein sirhane bhi tu chahiye

(तो मेरे ऐसे सपनों के आशियाने में, तुम्हारी गोद में मेरा शिर हो और जब भी मैं आँखे खोलू तो मेरे शिरहाने सिर्फ तुम्हारा चेहरा ही दिखाई दे।
बस और कुछ भी नहीं।
जो पाना था वो पा लिया।)

Wo ho...
Wo ho ho...

other Movie Song to submerge in the love of supreme
↓

Click

इसे सिर्फ देखना नहीं है,
किन्तु अनुभव करना है।

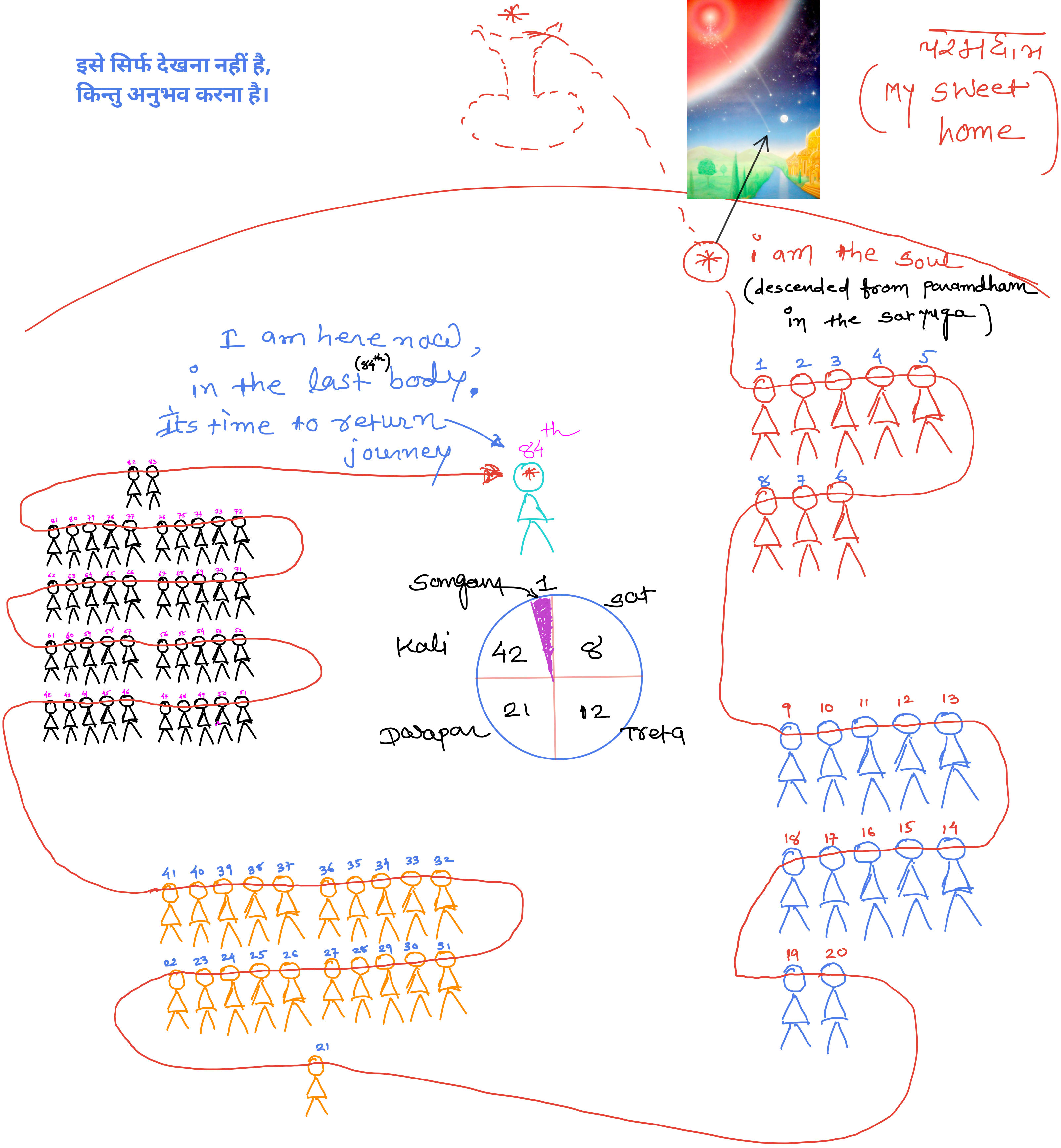

I (the sparkling soul) am same throughout all 84 costumes (male & female both).

I am immortal, eternal, imperishable. The costumes are perishable.

Geeta Adhyay: 2 shloka

न जायते म्रियते वा कदाचि नायं भूत्वा भविता वा न भूय: | अजो नित्य: शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे || 20||

The soul is neither born, nor does it ever die; nor having once existed, does it ever cease to be. The soul is without birth, eternal, immortal, and ageless. It is not destroyed when the body is destroyed.

It's very long journey we have. Now, its time to return in our sweet silence home to rest in the lap of our sweet father shiva.